हिंदी दैनिक

# न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 24 देहरादून, बुधवार, 12 जुलाई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

यूएसडीएमए नोडल अधिकारियों का कैपिसिटी बिल्डिंग प्रशिक्षण आयोजित 3

# पानी-पानी हुआ उत्तराखंड, सड़क पर उतरी सरकार

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून , 12 जुलाई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बरसात से प्रभावित क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आई.एस.बी.टी देहरादून में सड़क पर जल भराव को देखते हुए मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी देहरादून को निर्देश दिये कि जल भराव के कारणों की जाँच की जाय एवं जो भी अधिकारी इसमें दोषी पाये जाते हैं, उन पर सख्त कारवाई की जाए। ड्रेनेज की समस्या का शीघ्र समाधान करवाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए।

मुख्यमंत्री ने इसके बाद चन्द्रबनी देहरादून का स्थलीय निरीक्षण किया। चन्द्रबनी में एक कॉलोनी में जंगल से पानी आने की वजह से जल भराव की स्थिति आई। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां पर सुरक्षा दीवार का काम पूरा न होने के कारण यह समस्या आ रही है।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी देहरादून को निर्देश दिये कि इस समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए। यदि लोगों को खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की जरूरत पडेंगी, तो इसकी समुचित व्यवस्था की जाय। निरीक्षण के दौरान आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

# गंगोत्री-यमुनोत्री व बदरीनाथ हाईवे बंद, बारिश का रेड अलर्ट

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

उत्तराखंड 12 जुलाई : उत्तराखंड में मौसम बिगड़ा हुआ है। प्रदेशभर में बारिश ने परेशानी खड़ी कर दी है। भूस्खलन और मलबा आने से गंगोत्री-यमुनोत्री और बदरीनाथ हाईवे बंद हो गए हैं। यमुनोत्री हाईवे पर राना चट्टी से आगे झर्झरगाड़ के पास 100 से अधिक भू-धंसाव हो गया है। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे सिरोहबगड़ में भी बंद है। जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

उधर, केदारनाथ हाइवे पर भी जगह जगह पत्थर गिर रहे हैं। हाईवे को खोलने का काम जारी है लेकिन बार-बार बारिश होने से मलबा हटाने में दिक्कतें आ रही हैं। वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से धरासू बैंड में पुलिस ने रोक दिया है। गंगोत्री हाईवे बंदर कोट में बंद होने के चलते पुलिस ने वाहनों को ओपन टनल से पहले रोक दिया है। हर्षिल घाटी के धराली में खीरगंगा उफान पर है। खीरगंगा के उफान पर आने से धराली बाजार को खतरा पैदा हो गया है। वहीं, हर्षिल और गंगोत्री घाटी में दो दिन से विद्युत आपूर्ति ठप है। रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ मार्ग पर फाटा में सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। हाईवे पर एक बाइक हादसे का शिकार हो गई। जिसमें एक यात्री की मौत हो गई। पिछले तीन दिन से प्रदेशभर में चल रहे बारिश का क्रम बीते दिन भी जारी रहेगा। मौसम विभाग ने प्रदेशभर में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। खासकर, कुमाऊं के जनपदों में भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के मुताबिक 12 जुलाई तक उत्तराखंड के चंपावत, नैनीताल, ऊधमसिंह नगर में कहीं-कहीं भारी से भारी बारिश होने की संभावना है। बाकी जनपदों में कहीं-कहीं भारी से भारी वर्षा हो सकती है। राज्य में कहीं-कहीं गर्जना के साथ बिजली चमकने एवं तीव्र दौर की वर्षा होगी।

# उत्तरकाशी में भारी बारिश, जालंधरी नदी में उफान, हर्षिल-क्यारकुटी को जोड़ने वाला पुल बहा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

उत्तरकाशी 12 जुलाई : उत्तराखंड में आफत की बारिश का कहर जारी है। जगह-जगह भूस्खलन होने से सड़कें बंद हैं।बीते 24 घंटे में ही भूस्खलन और मलबा आने से 241 सड़कें बंद हुई हैं, इनमें से 160 सड़कें एक दिन पहले से बंद थीं, जबकि 81 सड़कें अगले दिन बंद हुईं। बारिश की वजह से पहाड़ी जिलों में रहने वाले लोग परेशान हैं। उत्तरकाशी जिले में देर रात हुई मूसलाधार बारिश के चलते हर्षिल और बगोरी गांव के बीच में बहने वाली जालंधरी नदी उफान पर आ गई। जिससे हर्षिल-क्यारकुटी ट्रैक को जोड़ने वाला पुल बह गया। वहीं यमुना नदी का रुख यमुना मंदिर परिसर की ओर बढ़ गया है, जिससे पुरोहित समाज चिंतित है। नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि अगर नदियां इसी तरह उफान पर रहीं तो सेब के बगीचों के साथ ही पर्यटन विभाग के हट्स को बड़ा नुकसान हो सकता है। मौसम की मार पहाड़ की सड़कों पर भी पड़ी है। बीते 24 घंटों में प्रदेश में भूस्खलन से 241 सड़कें बंद हुईं, 70 सड़कों को किसी तरह खोल दिया गया

था, लेकिन 171 सड़कें अब भी बंद हैं। बंद सड़कों में 16 स्टेट हाईवे, सात मुख्य जिला मार्ग, चार अन्य जिला मार्ग, 80 ग्रामीण सड़कें और 64 पीएमजीएसवाई की सड़कें शामिल हैं। सड़क बंद होने से कई गांव जिला मुख्यालय से कट गए हैं। लोनिवि अधिकारियों ने बताया कि बारिश के चलते बाधित हुई सड़कों को सुचारू करने के लिए 166 जेसीबी, पोकलेन, चेन डोजर आदि मशीनों को लगाया गया है। प्रदेश में 12 जुलाई तक के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

# इन वेश्याओं की भक्ति देख दंग रह जायेंगे !

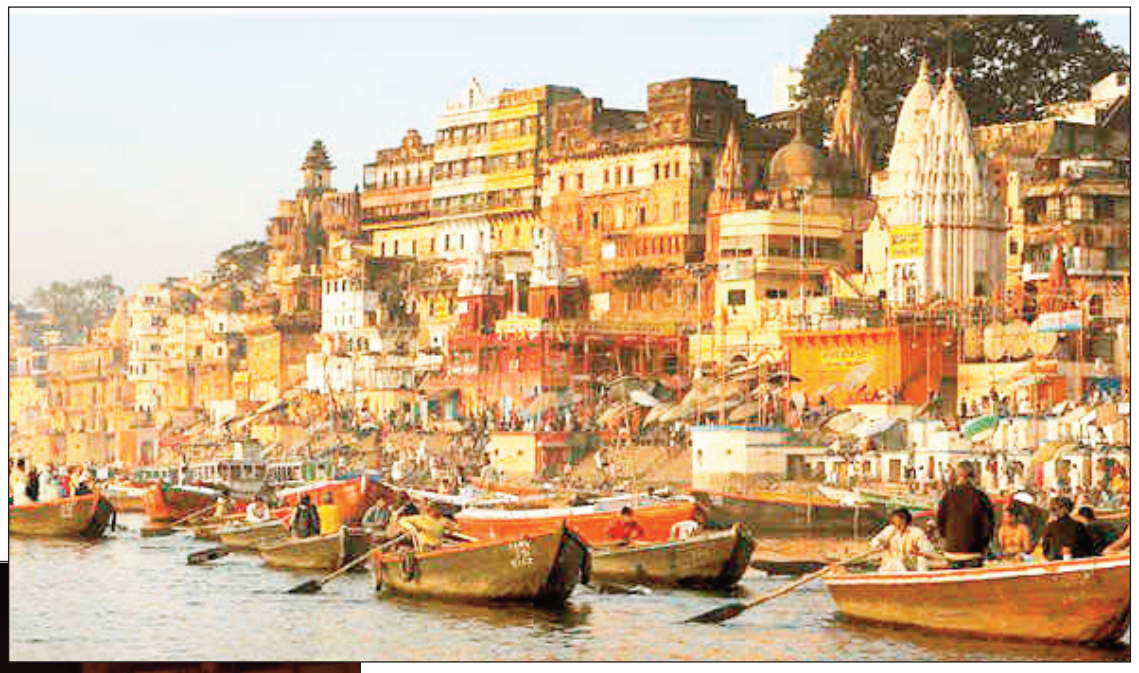

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जुलाई , क्या आप जानते है.. जिस बनारस को हिंदु धर्म का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है.. उसी बनारस में वेश्याओं लोगों की मौत पर नाचती है.. यानि की एक ओर जहां लोग अपनों के मरने का दुख मनाते है... वही दूसरी ओर वेश्याओं के घुंघरु रुकने का नाम नहीं लेते.. आखिर क्या है इसके पीछे का रहस्य..पाठकों इसके पीछे का राज जानकर आप चौंक जायेंगे... दरअसल, काशी के मणिकर्णिका घाट पर हर साल चैत्र नवरात्र की सप्तमी को महाशमशान महोत्सव मनाया जाता है.. मान्यता है कि इस दिन काशी के राजा भगवान शिव अदृश्य रुप से इस पूरे महोत्सव में शामिल होते है... और तब इस घाट में वैश्याएं बेहिचक नृत्य करती है.. यानी की एक तरफ चिता की लपटे उठ रही होती है.. तो वहीं दूसरी ओर वेश्याओं के घुंघरुओं की झंकार बज रही होती है... मणिकर्णिका घाट पर लोगो के रोने और तबले की थाप का यहां अनोखा संगम सभी को हैरान कर देता है।

कहा जाता है कि इस नाच- गाने के जरिये... वैश्याएं महादेव के लिए अपनी भक्ति भावना प्रकट करती है... उनका मानना है कि सभी को तारने वाले भगवान शिव क्या उनकी इस सेवा को स्वीकार नहीं करेगें.. क्या उन्हें इस नर्क से बाहर निकालकर मोक्ष का अधिकारी नहीं बनायेंगे। अब सोचने वाली बात है कि इस घाट पर ये परंपरा किसने और क्यों शुरु की.... आखिर कौन था वो जिसने पहली बार इन्हें मणिकर्णिका घाट पर नाचने के

लिए बुलाया था..ये बात है पंद्रवी शताब्दी की.. उस समय राजा मान सिंह आमेर के राजा हुआ करते थे.. और अकबर के नौ रत्नों में से एक माने जाते थे... उस समय उन्होंने शिव जी के मंदिर का जीर्णोद्धार कराया.. यानि की उसकी मरमम्त वैगेरा कराकर उसे फिर से एक खूबसूरत मंदिर करा दिया था.. रीति रिवाज के अनुसार मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद राजा मान सिंह ने मंगल उत्सव भी कराना चाहते थे.. इसके लिए उन्होंने नगर के बेहतरीन संगीत और नृत्य कलाकारों को वहां आमंत्रित किया... लेकिन किसी भी कलाकार की उस घाट पर आने की हिम्मत नहीं हुई।

मान सिंह का मन दुखी हो गया.. और वो बिना उत्सव मनाये.. वापस दिल्ली जाने की तैयारी करने लगे.. ये बात जब नगर के वैश्याओं को पता चली.. तो उन लोगों ने आपस में बात कर के राजा साहब को एक पत्र भेजा.. जिसमें लिखा था... अगर आप को सही लगे.. तो हम वैश्याएं वहां आकर नृत्य कर सकती है.. ये हमारे लिए सौभाग्य की बात होगी।राजा मान सिंह पत्र पढ़कर बहुत खुश हुए.. और उन्होंने पूरे मान-सम्मान के रथ भेज कर वेश्याओं को घाट पर बुलाया... वहां आकर वेश्याओं ने दिल खोलकर डांस किया.. और तभी से ये परंपरा शुरु हो गयी.. इतना ही नही.. तब से ये मान्यता है कि जो भी वैश्या यहां आकर नृत्य करेगी... उसका अगला जीवन वैश्या का नही होगा.. क्यों कि कोई भी स्त्री वैश्या अपनी मर्जी से नहीं बनती.. लेकिन हर वैश्या इस नर्क से निकलना जरुर चाहती है... ऐसी जिंदगी किसी अभिशाप से कम नहीं है।

# अकाल मृत्यु के बाद आत्मा का क्या होता है ?

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जुलाई , अकाल मृत्यु के बाद आत्मा कहां जाती है यह जानने के लिए हमारे साथ बने रहिये पाठकों , ज्ञान और विज्ञान की रोचक जानकारी देने वाली हमारी वेबसाइट में आपका स्वागत है । प्रिय मित्रों जन्म और मृत्यु यही दोनों इस पृथ्वी लोक के लिए अमर हैं । इस पृथ्वी लोक पर जो भी प्राणी जन्म लिए हैं सभी अपने अभिनय के रूप में कर्म करने आए हैं । आपके अभिनय के माध्यम से कर्म भी बनता है जैसे जिस के कर्म है उसी के अनुसार उसे फल भी दिया जाता है । ईश्वर ने इंसान को इतना बुद्धि दिया है कि किसी भी चीज को रिसर्च करके अनुमान लगा सकते हैं मगर किसी के जन्म और मृत्यु कब होंगे यह तो कोई नहीं बता सकते हैं । क्योंकि जो चीज ईश्वर ने तय करके रखते हैं उसका सामना करना एक इंसान के लिए नामुमकिन है ।

**क्या है आत्मा के भटकने का रहस्य**

जीवन का अंतिम सत्य मृत्यु है और इससे न कोई आज तक बच पाया है और न ही बच पाएगा। सभी की मौत एक न एक दिन निश्चित है।

हालांकि मृत्यु कई तरह से आती है। कोई व्यक्ति आनंद से मृत्यु पाता है। कोई अत्यंत दुखी होकर इस लोक से विदा लेता है, तो वहीं सबसे भयानक मृत्यु अकाल मृत्यु मानी जाती है। आत्महत्या, गंभीर बीमारी या कोई हादसा, यह सब अकाल मृत्यु के कारण बनते हैं। आपको बता दें कि गरुड़ पुराण में अकाल मृत्यु से जुड़े कई रहस्य बताए गए हैं। अकाल मृत्यु के कारणों की बात करें तो इसमें पाप करना, दुराचार, स्त्रियों का शोषण, झूठ बोलना, भ्रष्टाचार व कुकर्म आदि शामिल है। बहुत अधिक पाप करने पर व्यक्ति अकाल मृत्यु को प्राप्त होता है।

आत्मा का भटकना उसकी इच्छाओं पर निर्भर है। यदि आत्मा मृत्यु को स्वीकार नहीं करती, ऐसे में वह भटकती है। ऐसी आत्मओं का हश्र भी बहुत बुरा होता है। कभी किसी दुष्ट तांत्रिक की ग़ुलाम बन जाती है, कभी दुसरे शक्तिशाली प्रेतों की ग़ुलाम। ऐसे में बुरे कर्म इनसे करवाये जाते है, और ऐसी आत्माएं फिर मुक्ति के मार्ग पर लौट कर नहीं आ सकती। हाँ, यदि कोई अच्छा साधक इनकी मुक्ति करवाएं, तो अवश्य ही अनेक योनि में जन्म ले यह वापस जन्म मरण के बंधन से कर्मों द्वारा मुक्ति पाने के लिए स्वछंद हो जाती है। इसलिए कहा जाता है जीते जी अपनी इच्छाओं का त्याग कर दो, ताकि यह आत्मा मृत्यु को स्वीकार सके। अन्यथा मृत्यु समय से हो या असमय से, आत्मा भटकेगी जरूर, और संकट उसके मार्ग में आएंगे। हमारी अगली कड़ी में होगी एक और रोचक जानकारी

# मर्दानगी की जांच करेगा खून पुराना तरीका बंद होगा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जुलाई , मद्रास उच्च न्यायालय ने अधिकारियों को किसी आरोपी की मर्दानगी की जांच के लिए रक्त के नमूने का उपयोग करने के बारे में एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि विज्ञान ने प्रगति की है और वीर्य का नमूना एकत्र करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा उसने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया कि 'टू-फिंगर टेस्ट' बंद कर दिया जाए।न्यायमूर्ति एन. आनंद वेंकटेश और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की खंडपीठ विशेष रूप से यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा अधिनियम और किशोर न्याय (देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए गठित की गई थी। पीठ ने सात जुलाई को आदेश पारित किया।

पीठ ने कहा, "हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि टू-फिंगर टेस्ट और मर्दानगी जांच का पुराना तरीका बंद हो जाए। पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया जाएगा कि वे विभिन्न क्षेत्रों के पुलिस महानिरीक्षकों को निर्देश दें कि वे 1 जनवरी, 2023 से यौन अपराध से जुड़े सभी मामलों में तैयार की गई मेडिकल रिपोर्ट को देखकर डेटा एकत्र करें और देखें कि क्या पेश की गई किसी रिपोर्ट में टू-फिंगर टेस्ट का संदर्भ है।"पीठ ने कहा, "यदि ऐसी कोई रिपोर्ट सामने आती है, तो उसे इस अदालत के संज्ञान में लाया जाए। रिपोर्ट मिलने के बाद हम आदेश पारित करेंगे। इसी तरह, यौन अपराध से जुड़े मामलों में की जाने वाली मर्दानगी जांच में अपराधी का वीर्य एकत्र किया जाता है, जो पुरानी विधि है। विज्ञान ने प्रगति की है, लिहाजा केवल रक्त के नमूने एकत्र करके यह परीक्षण करना संभव है।"

# यूएसडीएमए नोडल अधिकारियों का कैपिसिटी बिल्डिंग प्रशिक्षण आयोजित

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून , 12 जुलाई , उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के आपदा प्रबन्धन विशेषज्ञों द्वारा प्रतिदिन सचिवालय में विभिन्न विभागों के आपदा नोडल अधिकारियों के क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग) हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है ।

इसी क्रम में मंगलवार को प्रशिक्षण के दूसरे दिन यूएसडीएमए के विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विभागों के आपदा नोडल अधिकारियों को सचेत एप, रिसोर्स मैपिंग, फोरकास्टिंग सिस्टम, एपीआई लिंकिंग, ऑड अवर स्ट्रेटजी, आपदा प्रबन्धन में नई टेक्नॉलॉजी का उपयोग आदि की जानकारी दी गई। विभिन्न विभागों के आपदा नोडल अधिकारियों के क्षमता निर्माण (कैपिसिटी बिल्डिंग ) हेतु यह

प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिदिन संचालित किया जा रहा है ।इस अवसर पर यूएस-डीएमए विशेषज्ञ डा0 पूजा राणा, सिस्टम एक्सपर्ट श्री अमित शर्मा, जीआईएस एक्सपर्ट श्री रोहित कुमार, यूएसडीएमए विशेषज्ञ डा मणि, सुश्री तन्द्रिला सरकार तथा विभिन्न विभागों के आपदा नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

# भाजपा सरकार में जनता महंगाई से त्रस्त, विकास कार्य अवरूद्ध : हरीश रावत

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

अल्मोड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने अल्मोड़ा पहुंचकर पूर्व दर्जामंत्री बिट्टू कर्नाटक के कैम्प कार्यालय में प्रेस वार्ता की। प्रेस को सम्बोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई से जनता पूरी तरह त्रस्त है। दैनिक उपभोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं जिससे मध्यमवर्गीय एवं गरीब वर्ग के लिए अपने परिवार का पालन पोषण करना तक मुश्किल हो रहा है। पेट्रोल, डीजल, घरेलू गैस सिलेंडर, खाद्यान्न सहित एवं दवाइयों के मूल्य आसमान पहुंच चुके हैं। इसके साथ ही युवा इस सरकार की नीतियों से बेहद खिन्न हैं। नौकरी के लिए आयोजित प्रतियोगी परीक्षाएं लगातार निरस्त हो रही हैं जिससे युवा वर्ग में भारी निराशा है। करोड़ों रोजगार देने का वादा करने वाली भाजपा सरकार में आज युवा बेरोजगार भटक रहा है और अवसाद का शिकार हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार में विकास कार्य अवरूद्ध हैं। सडक़ों की स्थिति बेहद खराब है। बरसात के इस मौसम में सडक़ें जलमग्न हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की सबसे बड़ी विफलता है कि पदों को निकालने के बाद भी सरकार परीक्षा करवाने में विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि अंशकालिक शिक्षक,उपनल कर्मचारियों की समस्याओं का यह सरकार समाधान करने में विफल साबित रही है। पुरानी पेंशन योजना पर मौन रहकर यह सरकार कर्मचारियों को बैचेन करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में जिस तरह से हमने पुरानी पेंशन योजना लागू की उसी तरह भविष्य में इसे अन्य राज्यों में भी लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि महंगाई बढ़ाने के साथ ही भाजपा सरकार ने जल मूल्य, विद्युत मूल्य, भवन कर बढ़ाकर जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने का काम किया है। श्री रावत ने कहा कि हम उत्तराखंड की सडक़ों को बेहद चकाचक हालत में छोडक़र गये थे, लेकिन आज सडक़ों की हालत देखकर ऐसा लगता है कि भाजपा सरकार ने सडक़ों की ओर कोई ध्यान ही नहीं दिया। इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने श्री बिट्टू कर्नाटक द्वारा अपने व्यक्तिगत संसाधनों से युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए चलाई जा रही मुहिम, युवाओं को खेलों से जोडऩे के लिए लगातार ग्रामसभाओं में बांटे जा रहे क्रिकेट किट, फुटबाल किट एवं वालीबाल किट के लिए उनकी पीठ थपथपाई तथा इस मुहिम को जारी रखने की बात कही। प्रेसवार्ता में पूर्व दर्जामंत्री बिट्टू कर्नाटक, देवेन्द्र प्रसाद कर्नाटक, रोहित शैली, गौरव अवस्थी, दीपक पोखरिया, भूपेन्द्र भोज, रवि रौतेला, प्रकाश मेहता, हेम जोशी, विनोद काण्डपाल, हिमांशु अधिकारी, सुमित बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

## जैन आचार्य की हत्या से जैन समाज आक्रोशित,डीएम को दिया ज्ञापन

देहरादून। कर्नाटक में दिगंबर जैन आचार्य 108 काम कुमार नन्दी की हत्या से आक्रोशित जैन समाज ने डीएम कार्यालय जाकर ज्ञापन दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री और कर्नाटक सरकार से उनके हत्यारोपियों को कड़ी सजा की मांग की। वहीं आचार्य काम कुमार नंदी को श्रद्धांजलि भी दी गई। जैन मिलन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेश जैन ने कहा कि जैनाचार्य काम कुमार नंदी का अपहरण एवं नृशंस हत्या का समाचार सुनकर संपूर्ण जैन समाज स्तब्ध और शोकाकुल है। जैन साधुओं पर हो रहे हमलों और अब हत्या से संपूर्ण जैन समाज आक्रोशित है। पूरा जैन समाज भारतीय जैन मिलन के माध्यम से इस हत्या कांड से जुड़े सभी दोषियों को शीघ्र से शीघ्र सजा दिलाने की मांग करता है।

क्षेत्रीय मंत्री डॉ संजय जैन ने कहा कि अपने पूज्य साधुओं के प्रति इस प्रकार की घटनाओं को जैन समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता। हम मांग करते हैं कि सभी जैन साधुओं को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही ऐसे ठोस कदम उठाया जाए जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटना दोबारा ना हों। इस मौके पर भारतीय जैन मिलन की केंद्रीय महिला संयोजिका मधु जैन,राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री संदीप जैन, सचिन जैन, संजय जैन, लोकेश जैन, सुरेश जैन, संजीव जैन, अंकुर जैन, बीना जैन ,जितेंद्र जैन, राजीव जैन, सुकुमार जैन, आशीष जैन, पूनम जैन, सुनीता जैन, मालती जैन और पंकज जैन सहित कई लोग मौजूद रहे।

# एसपी चमोली ने भारी बारिश में सतर्क रहने के दिये निर्देश

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

चमोली , 12 जुलाई , प्रदेश भर में हो रही भारी वर्षा व मौसम विभाग द्वारा जारीऑरेज अलर्ट व मानसून सीजन के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा ऑनलाइन गोष्ठी के माध्यम से जनपद के समस्त थाना प्रभारियों की मीटिंग ली गयी।इस दौरान उन्होंने सभी थाना/चौकी प्रभारियों को भारी बारिश के दृष्टिगत हाई एलर्ट मोड पर रहने हेतु निर्देशित किया।

ये है निर्देश -

पुलिस बल/आपदा प्रशिक्षित कर्मियों/आपदा उपकरणों/संसाधनों/वाहनों को तैयारी की स्थिति में रखने के निर्देश दिए ताकि किसी भी आपातकालीन या आपदा की स्थिति में कम से कम समय में बचाव एवं राहत कार्यों को शुरू किया जा सकें। जनसुरक्षा के दृष्टिगत भूस्खलन/ आपदा संवेदनशील क्षेत्रों पर निगरानी हेतु पुलिस

बल नियुक्त करने के निर्देश दिये गये। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में ड्यूटीरत जवानों को हेलमेट, टॉर्च व अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ नियुक्त किया जाए। थाना क्षेत्रों में नदी-नालों व गदेरों के आस-पास रहने वाले परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने के साथ-साथ उक्त स्थानों पर नियमित रूप से भ्रमणशील रहते हुए लोगों को सतर्क रहने हेतु लाउड हेलरों के माध्यम से सूचित किया जाये। भारी वर्षा होने की स्थिति में वाहनों का रात्रि 08:00 से प्रातः 04:00 तक आवागमन प्रतिबन्धित रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### 23 लीटर चोरी के डीजल के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

हल्द्वानी। मंडी क्षेत्र में ट्रक से 72 लीटर डीजल चोरी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से 23 लीटर बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार बीते 22 जून को मनोज तिवारी निवासी तीनपानी बरेली रोड ने ट्रक से 72 लीटर डीजल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी नदीम निवासी बरेली यूपी को बरेली से गिरफ्तार कर लिया है। उससे चोरी किया हुआ डीजल भी बरामद हुआ। आरोपी पूर्व में भी कई बार तेल चोरी में जेल जा चुका है। मंडी चौकी प्रभारी गुलाब सिंह कम्बोज ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया है।

### 23 लीटर चोरी के डीजल के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

हल्द्वानी। मंडी क्षेत्र में ट्रक से 72 लीटर डीजल चोरी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से 23 लीटर बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार बीते 22 जून को मनोज तिवारी निवासी तीनपानी बरेली रोड ने ट्रक से 72 लीटर डीजल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी नदीम निवासी बरेली यूपी को बरेली से गिरफ्तार कर लिया है। उससे चोरी किया हुआ डीजल भी बरामद हुआ। आरोपी पूर्व में भी कई बार तेल चोरी में जेल जा चुका है। मंडी चौकी प्रभारी गुलाब सिंह कम्बोज ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया है।

### नैनीताल की ठंडी सडक़ आवागमन के लिए बंद की गई

नैनीताल। लगातार हो रही बारिश में पहाड़ी से पत्थर गिरने के डर से नैनीताल की ठंडी सडक़ को आवाजाही के लिए पूर्ण रूप से बंद कर दिया गया है। एडीएम ने निरीक्षण के बाद सिंचाई विभाग के अधिकारियों को इस सडक़ को आवाजाही के लिए बंद करने के निर्देश दिए। वहीं मंगलवार को एडीएम अशोक कुमार जोशी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ ठंडी सडक़ नैनीताल एवं गुरुद्वारा क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने क्षेत्र की व्यवस्था पर गहनता से जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने ठंडी सडक़ पर वर्षा के कारण पत्थर गिरने की आशंका को देखते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों को यहां पर आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अधिशासी अभियंता अनिल कुमार वर्मा, एई डीडी सती मौजूद थे।

62 नाले लोनिवि को हस्तांतरण करने पर चर्चा : जिलाधिकारी वंदना की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। जिसमें नैनीताल में सिंचाई विभाग के 62 नालों का हस्तांतरण लोनिवि को किए जाने पर चर्चा हुई। डीएम ने अधिकारियों को हस्तांतरण की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए जरूरी कार्रवाई समय से पूरा करने के निर्देश दिए। सिंचाई विभाग की समीक्षा के दौरान डीएम ने अधिशासी अभियंता से जिले में संचालित नहरों एवं पचास लाख से ऊपर की परियोजना के संबंध में जानकारी लेते हुए संबंधित विभाग को आंवटित धन के सापेक्ष आय-व्यय एवं वर्तमान में गतिमान कार्य, संचालित नहरों, क्षतिग्रस्त नहरों की सूची उपलब्ध कराने की बात कही।

### खाद्य सुरक्षा विभाग ने किया निरीक्षण

हल्द्वानी। खाद्य सुरक्षा विभाग नैनीताल ने मंगलवार को हल्द्वानी और कालाढूंगी क्षेत्र में आइसक्रीम फैक्ट्री, शीतल पेय होलसेलर, आटा मिल एवं वानिकी प्रशिक्षण संस्थान निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने 12 नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला रुद्रपुर भेजे। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। वहीं, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामनगर असलम खान ने खैरना क्षेत्र में निरीक्षण करते हुए दो नमूने लिए। साथ ही छह लोगों को बिना पंजीकण खाद्य कारोबार करने पर नोटिस दिया। यहां अभिहीत अधिकारी संजय कुमार सिंह, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी हल्द्वानी अभय कुमार सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी कैलाश चंद्र टम्टा रहे।

### कोटद्वार में आंख दुखने की बीमारी का संक्रमण

कोटद्वार। मौसम में बदलाव के कारण बेस अस्पताल में कंजेक्टिवाइटिस के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। चिकित्सकों का कहना है कि कंजेक्टिवाइटिस वायरल संक्रमण है। इससे बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। इसमें लापरवाही बरतने से नुकसान हो सकता है। दरअसल, आजकल कभी गर्मी तो कभी नमी वाला मौसम बन रहा है। इसमें आंखों में संक्रमण होने का खतरा अधिक रहता है। कंजेक्टिवाइटिस को आंख आना भी कहते हैं। अस्पताल में पहले कंजक्टिवाइटिस से पीड़ित मरीज दो से पांच फीसदी तक आ रहे थे, लेकिन अब यह संख्या बढक़र 20 से 25 फीसदी तक पहुंच गई है। बेस अस्पताल के वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि मौसम में हो रहे बदलाव की वजह से कंजक्टिवाइटिस के मरीज बढ़ रहे हैं। ऐसा वायरल संक्रमण की वजह से है। आंखें बहुत ही नाजुक और संवेदनशील होती हैं। इसलिए इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। इसके लक्षण नजर आते ही चिकित्सक की सलाह से उपचार कराना चाहिए। गर्मी व बरसात के मौसम में यह रोग ज्यादा फैलता है। इसलिए लोगों को रोग से बचाव के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कंजेक्टिवाइटिस होने पर आंखों में एंटी बायोटिक आई ड्रॉप डालनी चाहिए। कोई भी स्टेयराइड डालने से बचना चाहिए। उपचार करने से रोग तीन से पांच दिन में ठीक हो जाता है।

### पदाधिकारियों ने ली शपथ

कोटद्वार। श्री वैश्य अग्रवाल सभा के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हो गया है। सोमवार को नजीबाबाद रोड़ स्थित एक बारातघर के सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि सीता गुप्ता ने सभा के नवीन अध्यक्ष सुबोध गर्ग, महामंत्री नरेंद्र अग्रवाल और कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मौके पर नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने जनहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संरक्षक राकेश गर्ग, दिनेश ऐरन, भरत चंद्र गुप्ता, सतीश अग्रवाल, अमिताभ अग्रवाल, मोनिका गुप्ता, वेद प्रकाश गिलरा और प्रदीप गुप्ता आदि मौजूद रहे।

### रेलवे ट्रेक को नुकसान से बचाने के लिए तीन कर्मी सम्मानित

काशीपुर। रेलवे ट्रेक को बाढ़ के पानी के कारण संभावित नुकसान से बचाने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल ने तीन कर्मचारियों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया है। छह जुलाई को लालकुआं-काशीपुर खंड के बाजपुर-हेमपुर इस्माइल ब्लॉक सेक्शन के मध्य गैंग मेट सत्यवती, ट्रैक मैन अमित भंडारी और रमेश गौढ़ अपने-अपने अनुभाग में काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज बारिश होने लगी। तीनों ने देखा कि ट्रैक के किनारे फार्मेशन को काटते हुए पानी का तेज बहाव आ रहा है। तीनों कर्मचारियों ने तत्काल इसकी जानकारी सी.से इंजी रेलपथ/ बाजपुर जयदीप लाल को दी। जिसके चलते समय रहते ट्रेक को बाढ़ के पानी से सुरक्षित बचा लिया गया। पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल ने तीनों कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और दो-दो हजार रुपए नकद का पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

# मत्स्य पालन को प्रोत्साहित करने के लिए एक्वापार्क की स्थापना होगी : सौरभ बहुगुणा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

तमिलनाडु , 12 जुलाई , हर साल 10 जुलाई को ₹राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस₹ मनाया जाता है । इस वर्ष ₹राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस₹ 10-11 जुलाई को तमिलनाडु के शहर महाबलिपुरम में 'समर मीट 2023' और 'स्टार्ट-अप कॉन्क्लेव'के आयोजन के साथ मनाया गया है। केंद्रीय मंत्री , मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी, पुरषोत्तम रुपाला, केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव वालियांन, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मत्स्य पालन मंत्रियों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर देश भर से लगभग 10500 मत्स्य किसानों, एकूआप्रिनियोर्स, मछुआरों, पेशेवरों, अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया।इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के पशुपालन, मत्स्य, गन्ना एवं चीनी विकास, डेयरी, प्रोटोकॉल सेवायोजन एवं कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने प्रदेश का नेतृत्व किया।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने उत्तराखंड मत्स्य विभाग की उपलब्धियों का हवाला देते हुए कहा कि, उत्तराखंड के मत्स्य पालको के समाजिक हितो की सुरक्षा के दृष्टिगत सरकार द्वारा मत्स्य पालको को कृषि दरो पर विद्युत आपूर्ति की सुविधा अनुमन्य करा दी गयी है जिससे लगभग 4000 मत्स्य पालको को लाभ प्राप्त होगा। वित्तीय वर्ष 2022-23 में राज्य एवं केन्द्र सेक्टर में संचालित योजनाओ से कुल 612 व्यक्तियो हेतु प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किये गये जबकि इन कार्यक्रमो से वार्षिक मत्स्य उत्पादन में लगभग 1160 मेट्रिक टन की वृद्धि लक्षित है।

मिनिस्टर बहुगुणा ने जानकारी दी कि, राज्य में मत्स्य पालन को प्रोत्साहित किये

जाने हेतु एकीकृत राज्य स्तरीय एक्वापार्क की स्थापना की जायेगी जिसके लिए भारत सरकार से रू0 44.50 करोड़ के प्रोजेक्ट की स्वीकृति प्राप्त कर ली गयी है। इस हेतु जनपद उधमसिंहनगर में 16.598 हैक्टेयर भूमि मत्स्य विभाग हेतु हस्तांतरित करायी गयी है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वकांक्षी ₹मत्स्य सम्पदा योजना₹ के अन्तर्गत कुल 17 प्रोजेक्ट कुल लागत रू० 48.79 करोड़ की स्वीकृति भारत सरकार से करायी गयी है। पर्वतीय क्षेत्र में ट्राउट फार्मिंग के 40 से अधिक कलस्टर तैयार किये गये जिनकी सफलता को दृष्टिगत रखते हुए अब मछलियो की अन्य प्रजातियों के पालन हेतु भी कलस्टर आधार पर पॉलीलाईनर तालाब निर्माण की व्यवस्था की गयी है

उत्तराखंड के मत्स्य किसानों को किसी भी प्रकार के जोखिम से सुरक्षा देने हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रथम बार राज्य अन्तर्गत कार्यरत ट्राउट समितियो के ट्राउट रेसवेज एवं उनमें पोषित हो रही मत्स्य सम्पदा को बीमा की परिधि में लाकर लाभान्वित किया गया। जनपद स्तर पर मात्स्यिकी विकास कार्यों में गति लाये जाने हेतु विभाग में आयोग के माध्यम से कुल 25 मत्स्य निरीक्षको की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करा ली गयी है जिनकी नियुक्ति शीघ्र कर ली जायेगी। अंत में बहुगुणा ने ₹प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना₹का जिक्र करते हुए बताया कि, वर्ष 2020 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमए-मएसवाई) का अनावरण किया, जो भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र के सतत विकास के माध्यम से नीली क्रांति लाने की एक योजना है। जिसमें पाँच वर्षों की अवधि में कुल 20,050 करोड़ रुपये के निवेश की परिकल्पना की गई है।

# देहरादून से दिल्ली की दूरी 61 किलोमीटर बढ़ी, बस का किराया भी बढ़ा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून 12 जुलाई : दिल्ली-एनसीआर, यूपी सहित अन्य राज्यों से उत्तराखंड आने वाले यात्रियों को अब बस सफर महंगा पड़ने वाला है। दिल्ली से देहरादून का सफर के लिए रूट में बदलाव किया गया है। कांवड़ यात्रा की वजह से रोडवेज बसें नए रूट से आएगी, जिसकी वजह से बसों का किराया भी बढ़ गया है। कांवड़ यात्रा में भीड़ के चलते और दिल्ली से देहरादून आने जाने वाली रोडवेज बसों का रूट बदल दिया है। अब बसें करनाल-पानीपत होकर दिल्ली जा रही हैं। इस रूट से दिल्ली की दूरी 61 किमी बढ़ गई है। रोडवेज की बसें वैसे तो देहरादून से रुड़की-मुजफ्फरनगर-मेरठ होते हुए दिल्ली जाती हैं। 256 किमी लंबे इस रूट से बसें साढ़े पांच से छह घंटे में दिल्ली पहुंचती हैं। जबकि नॉन स्टॉप वॉल्वो साढ़े चार घंटे में पहुंचती है। कांवड़ यात्रा में भीड़ के चलते पुलिस ने बीते दिन दोपहर बाद रुड़की-

मुजफ्फरनगर-मेरठ रूट पर बसों की आवाजाही बंद कर दी है। ऐसे में अब बसें बाईपास से करनाल-पानीपत हुए दिल्ली जा रही हैं।

यह दिल्ली की दूरी 317 किमी है। बसों को दिल्ली में पहुंचने में करीब एक घंटे का अतिरिक्त समय लग रहा है। महाप्रबंधक (संचालन) दीपक जैन ने बताया कि इस रूट से किराया भी बढ़ गया है। ग्रामीण डिपो के एजीएम केपी सिंह ने बताया कि अब तक देहरादून से दिल्ली का एसी बस का 562 रुपये रुपये था जो बढ़कर 625 हो गया है। साधारण बस का 420 रुपये से बढ़कर 430 रुपये हो गया है। महाप्रबंधक दीपक जैन ने बताया है कि किराए में बढ़ोतरी मामूली सी हुई है और कांवड़ यात्रा के बाद में किराया पहले जितना हो जाएगा।

# देहरादूनः पार्टी के बाद चलती कार से शरीर बाहर निकालने लगा छात्र, पेड़ से टकराकर हुई मौत

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादून 12 जुलाई : गाड़ी में सफर करने वाले लोगों को सावधान रहने और वाहन के बाहर न लटकने की सलाह दी जाती है। बस-कार से सिर बाहर निकालने वालों के साथ कई बार हादसे भी हुए हैं, जिनमें लोगों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। इसके बावजूद लोग इन हादसों से सबक नहीं लेते। देहरादून के रहने वाले कुणाल यादव ने भी अगर सावधानी बरती होती, तो आज वो जिंदा होता। बीती रात दोस्तों संग पार्टी कर रहे कुणाल यादव की एक दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कुणाल ने अपने शरीर का ऊपरी हिस्सा कार से बाहर निकाला हुआ था।

तभी वह पेड़ से टकराया और कार से निकलकर सड़क पर आ गिरा। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसा किमाड़ी रोड पर हुआ। जहां कार सवार चार दोस्त पार्टी कर किमाड़ी रोड से गढ़ी कैंट की तरफ आ रहे थे। कार में कुणाल यादव (21) निवासी प्रेमनगर और उसके दोस्त ऋषभ, कुणाल खत्री और कार्तिक चावला सवार थे। पुलिस के मुताबिक कुणाल से हादसे के वक्त शरीर के ऊपर का हिस्सा चलती कार से बाहर निकाला हुआ था। कार जैसे ही सर्किट हाउस चौकी के पास पहुंची, कुणाल के शरीर का कार से बाहर निकला हिस्सा पेड़ से टकरा गया।

वह कार से निकलकर सड़क पर जा गिरा। घायल कुणाल को तुरंत निजी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन तब तक कुनाल की मौत हो चुकी थी। इस घटना के बाद कुणाल का परिवार गहरे सदमे में हैं। 21 साल के जवान बेटे की मौत के बाद परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। कुणाल के पिता सुरेंद्र यादव होमगार्ड बताए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

# मारधाड़ वाले गेम और मूवी बच्चे का दिमाग कर सकते हैं खराब, रिसर्च

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जुलाई : पहले जहां बच्चों के पास खेलने के लिए बस गुड्डे गुड़िया और रेल या कार वगैरह होती थीं, वहीं अब बच्चों के खेलने के लिए कई खिलौने आ गए हैं। अब बच्चे वीडियो गेम खेलते हैं और उनके पास रोबोट या कई तरह के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होते हैं। हालांकि, पैरेंट्स को अपने बच्चे को कोई भी खिलौना थमाने से पहले ये जान लेना चाहिए कि उस पर इस टॉय का क्या असर पड़ेगा। इस आर्टिकल में हैदराबाद के केयर हॉस्पिटल की साइकेट्रिस्ट डॉक्टर मजहर अली बता रहे हैं कि बच्चों को आक्रामक यानि वायलेंट खिलौने देने से क्या असर होता है।डॉक्टर मजहर ने बताया कि बच्चों को वायलेंट गेम, कार्टून और मूवी दिखाने को लेकर रिसर्च और चर्चा चल रही है। इस बात पर स्पष्ट तौर से कुछ कहा नहीं जा सकता है। बच्चों पर वायलेंट खिलौने के प्रभाव को जानने के लिए कई चीजों को समझने की जरूरत है। टॉडलर बच्चे जो भी देखते हैं, उसका उन पर बहुत असर पड़ता है। इस स्टेज पर उनका तेजी से कॉग्नीटिव विकास हो रहा होता है। वो सपनों की दुनिया और असलियत में फर्क करना नहीं जानते हैं।जब बच्चे को पता नहीं होता है कि वो जो देख रहा है, वो सच है या झूठ, तब वो भी टीवी या गेम में दिखाए जा रहे वायलेंस को अपनाने लगता है और उसे इसके परिणामों तक के बारे में पता नहीं होता है। हालांकि, माता-पिता को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि बच्चे के व्यवहार को विकसित करने में उनकी अहम भूमिका होती है। बच्चों से खुलकर बात कर के और उन्हें सही चीजें और कार्टून दिखाकर, पेरेंट्स अपने बच्चों को किसी भी तरह के नेगेटिव प्रभाव से बचा सकते हैं।

डॉक्टर मजहर कहते हैं कि एक्सपर्ट्स भी यही राय देते हैं कि टॉडलर बच्चों को वायलेंट कंटेंट कम दिखना चाहिए और उन्हें इसके बजाय उनकी उम्र के हिसाब से, एजुकेशनल और नॉन वायलेंस मीडिया वाली चीजें देखनी चाहिए। इसके अलावा बच्चों को ऐसी चीजें दिखाई जो उनके कॉग्नीटिव और इमोशनल डेवलपमेंट में मदद करे।इस मामले में पेरेंट्स इस बात का भी ध्यान रखें कि हर बच्चा अलग होता है। बच्चे का गुस्सा, परवरिश और मां-बाप का मार्गदर्शन भी इस बात को प्रभावित करता है कि बच्चे पर मीडिया का क्या असर पड़ रहा है। इसलिए हो सकता है कि जो चीज एक बच्चे को किसी तरह से प्रभावित कर रही है, वो दूसरे बच्चे पर कैसे असर ना करे। इन चीजों से बच्चे को बचाने के लिए पेरेंट्स को बच्चों के लिए ऐसा माहौल बनाना चाहिए जहां वो सुरक्षित महसूस करे और अपने मन की बात अपने पेरेंट्स से शेयर कर सके। बच्चों के सामने हेल्दी मीडिया से जुड़ी चीजें पेश करें, जो उनके कॉग्नीटिव विकास में मदद करें

# ऑनलाइन सामान खरीदते वक्त क्या आप हैं सावधान ?

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जुलाई , ऑनलाइन शॉपिंग सुविधाजनक है, इसमें आप घर बैठे खरीदारी कर सकते हैं और डिस्काउंट भी हासिल कर सकते हैं. साथ ही ऑर्डर आपके घर तक भी आ जाता है. हालांकि ऑनलाइन बढ़िया डील पाने के साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उत्पाद समय पर आएं, गुणवत्ता आपकी अपेक्षा के अनुरूप हो, वस्तुओं पर उचित वारंटी शामिल हो और आपके पास उत्पादों को वापस करने या किसी भी प्रश्न या समस्या के लिए समाधान पाने का विकल्प हो. वहीं ऑनलाइन शॉपिंग करते हुए अब कई फ्रॉड भी सामने आए हैं. ऐसे में ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए भी सावधान रहना चाहिए. सबसे आम ऑनलाइन शॉपिंग घोटाला तब होता है जब धोखेबाज नकली शॉपिंग वेबसाइट या ऐप बनाते हैं. ये साइटें वैध लग सकती हैं, लेकिन इन्हें आपकी संवेदनशील जानकारी और क्रेडिट कार्ड नंबर चुराने के लिए डिजाइन किया गया है. ऐसे में आप जिस साइट से शॉपिंग करें, वो असली है या नहीं इसकी जांच जरूर कर लें.

फेक रिव्यू

कुछ लोग फर्जी वेबसाइट और कई घटिया उत्पादों पर फेक रिव्यू देते हैं. अधिकांश लोग ऑनलाइन स्टोर के उन फेक रिव्यू पर विश्वास कर लेते हैं और फिर धोखाधड़ी के शिकार हो जाते हैं. ऐसे में इस फेक रिव्यू के स्कैम से भी बचें.

सुरक्षित इंटरनेट कनेक्शन से ऑर्डर दें

अगर आपका कंप्यूटर एंटी वायरस से सुरक्षित नहीं है तो आपकी वित्तीय जानकारी और पासवर्ड चोरी होने का खतरा है. इसके अलावा किसी असुरक्षित इंटरनेट कनेक्शन से भी डेटा चोरी होने की खतरा रहता है. ऐसे में सुरक्षित कनेक्शन का उपयोग करें और सुनिश्चित करें कि आपके कंप्यूटर का फायरवॉल चालू हो. अगर आप वायरलेस नेटवर्क का उपयोग करते हुए ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं, तो इसे एन्क्रिप्ट करने की आवश्यकता है. इसके अलावा सार्वजनिक नेटवर्क का उपयोग करते समय कोई भी वित्तीय लेनदेन करने से बचें.

# दो बच्चे होने से बच्चों और मां-बाप को मिलता है सुकून

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जुलाई : हर साल 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख कारण है बढ़ती हुई आबादी से होने वाली विभिन्न समस्याओं की ओर लोगों को जागरूक करना। इसमें गरीबी, लिंग असमानता, फैमिली प्लानिंग, मानव अधिकार और मातृ स्वास्थ्य शामिल हैं। गरीबी को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार ने 'हम दो हमारे दो' का नारा लगाया था और आज वर्ल्ड पॉपुलेशन डे पर हम आपको यही बताने जा रहे हैं कि दो बच्चे होने के क्या फायदे होते हैं और आज कपल्स को अपने परिवार को दो बच्चों तक ही सीमित क्यों रखना चाहिए।

'ब्रेन फ्लोटिंग' नाम के पॉपुलर गार्डियन साइंस ब्लॉग के लेखक और न्यूरोसाइंटिस्ट डीन कहते हैं कि बच्चों के होने से आप खुश रहते हैं। वो खुश के साथ-साथ कभी दुखी, लगातार स्ट्रेस में या बेचैनी में रखते हैं। बच्चों की वजह से आप भावनाओं को ज्यादा अच्छी तरह से महसूस कर पाते हैं। कभी आप तनाव में रहते हैं, तो कभी आपको बच्चों की तकलीफ को लेकर दुख महसूस होता है। कुछ इस तरह ही हमारा दिमाग काम करता है।

जब घर में दो बच्चे होते हैं तो उन्हें दोस्ती या खेलने के लिए किसी और की जरूरत नहीं होती है। उन्हें अपने घर में ही अपना एक सच्चा और पक्का दोस्त मिल जाता है। इस बात से तो आप भी वाकिफ होंगे कि भाई-बहन से सच्चा दोस्त या शुभचिंतक हमारा कोई और नहीं हो सकता है। आप यकीन मानें या ना मानें लेकिन ये सच है कि जब सिंगल चाइल्ड दूसरे बच्चों को अपने भाई या बहन के साथ देखता है, तो उसे अकेलापन महसूस होता है। उसे लगता है कि उसके पास खेलने या अपनी बातें शेयर करने के लिए कोई नहीं है। प्यार बांटने से बढ़ता है और मां-बाप के जब दो बच्चे होते हैं, तो उनका प्यार बंटता नहीं बल्कि बढ़ जाता है एक पैरेंट होने के नाते आप ज्यादा प्यार महसूस करते हैं। इसके अलावा पहले बच्चे के बाद दूसरे बच्चे की परवरिश करना मां-बाप के लिए आसान होता है और दूसरे बच्चे को अपने बड़े भाई या बहन के खिलौने, कपड़े और किताबें आदि भी मिल जाती हैं। इससे पैरेंट्स का काम और जिम्मेदारी काफी कम हो जाती है। आजकल कपल्स एक ही बच्चा चाहते हैं जो कि गलत नहीं है। यह जनसंख्या को कंट्रोल में रखने के लिए भी सही है।

# ऋषिकेश पीजी कॉलेज में प्रदेश के 217 कॉलेजों का पाठ्यक्रम तैयार

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ऋषिकेश। श्रीदेवसुमन विवि के ऋषिकेश कैंपस में प्रदेश के 217 कॉलेजों का पाठ्यक्रम तैयार हो गया है। पाठ्यक्रम में केंद्र सरकार के स्किल इंडिया प्रोग्राम के तहत विभिन्न स्वरोजगारपरक विषयों को विशेष वरीयता दी गई है। मंगलवार को कुमाऊं और गढ़वाल के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञों ने पीजी और स्नातक व्यावसायिक विषयों के पाठयक्रम पर मंथन करने के बाद रिपोर्ट सौंपी। मंगलवार को श्रीदेव सुमन विवि के ऋषिकेश कैंपस में बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में ऋषिकेश कैंपस से लगभग 50, कुमाऊं और गढ़वाल से लगभग 80 विषय विशेषज्ञ शामिल हुए। सुबह 11 बजे से शुरू हुई बैठक सायं 5 बजे तक चली। इसमें श्रीदेवसुमन विश्वविद्यालय के संबद्ध सभी 217 कॉलेजों के 75 से अधिक पीजी एवं यूजी के व्यावसायिक विषयों में आधुनिक एवं वर्तमान समय की मांग पर आधारित टॉपिक्स और तकनीकी कंटेट को शामिल किया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत रोबोटिक्स, मेट्रोनिक्स, कोडिंग, एआई, आईओटी और थ्री डी जैसे आधुनिक विषय भी इस नए पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। स्किल इंडिया के तहत विभिन्न स्वरोजगारपरक पाठ्यक्रमों पर विशेष जोर दिया गया है। बोर्ड ऑफ स्टडीज की अध्यक्षता कर रहे श्रीदेवसुमन विवि के ऋषिकेश कैंपस के विज्ञान संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर जीके ढ़ींगरा ने बताया कि विषय विशेषज्ञों द्वारा अपने-अपने विषयों को अपडेट कर रिपोर्ट सबमिट कर दी गई है।

# दुनिया में सबसे अलग होते हैं नवम्बर में जन्मे बच्चे

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जुलाई : इस बात को तो आप भी जानते होंगे कि साल का हर महीना खास होता है और हर महीने की अपनी कुछ विशेषताएं होती हैं। इसी तरह हर महीने में पैदा होने वाले बच्चों की विशेषताएं भी अलग-अलग होती हैं। आज हम आपको नवम्बर के महीने में पैदा हुए बच्चों की कुछ खास बातें बताएंगे। इस आर्टिकल में हम आपको बता रहे हैं कि नवम्बर में पैदा हुए बच्चे क्यों पूरी दुनिया में सबसे अलग होते हैं और उनमें क्या खूबियां होती हैं।

नवम्बर में जन्मे लोग आमतौर पर आशावादी होते हैं। वे मुश्किल समय में भी चीजों के अच्छे पक्ष पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इससे समाधान ढूंढने में मदद मिलती है, जिससे आसपास के लोगों के लिए भी चीजें आसान हो जाती हैं। वो मुश्किलों में भी हार नहीं मानते हैं बल्कि मुस्कुराके उस वक्त को भी पार कर जाते हैं। वे काफी व्यंग्यात्मक हो सकते हैं। लोग उनके मजाकिया स्वभाव और परिपक्वता के लिए उनकी सराहना करते हैं। यदि आपके बच्चे का जन्म नवम्बर में हुआ है, तो उनका स्वभाव दूसरों की देखभाल करने वाला होता है और ये दूसरों की मदद करने से ये कतराते नहीं हैं। इनके उदार स्वभाव के कारण कई लोग इनके पास मदद के लिए आते हैं। इनके पास उत्कृष्ट प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स होते हैं, जो उन्हें दूसरों की मदद करने और समाधान खोजने में सक्षम बनाता है। इस वजह से इनके कई दोस्त भी होते हैं।

नवम्बर में जन्में बच्चे फोकस और स्पष्टता का गुण भी रखते हैं। उन्हें अपना समय बर्बाद करना पसंद नहीं है और इसके बजाय वे अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करते हैं। हो सकता है कि वो आपसे कुछ गप्पे मार लें लेकिन उनका ध्यान हमेशा कुछ प्रोडक्ट करने पर होता है। काम और अन्य महत्वपूर्ण चीजों के साथ-साथ, वे उन लोगों पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं जो उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं, जैसे कि परिवार।नवम्बर में जन्मे बच्चे अपने परिवार के साथ-साथ अपनी जड़ों को भी महत्व देते हैं। हालांकि, उन्हें आजादी और अकेले रहना पसंद होता है लेकिन परिवार के प्रति उनका प्यार समय के साथ बढ़ता रहता है। जब परिवार की बात आती है तो वे जिम्मेदारी लेना और परिवार के सदस्यों की देखभाल करना पसंद करते हैं।इस महीने में जन्म लेने वाले शिशु अपनी उम्र के बाकी बच्चों की तुलना में अपनी भावनाओं और व्यवहार में बेहतर कंट्रोल रख पाते हैं। यहां तक कि जब वे क्रोधित होते हैं, तब भी वे अपने क्रोध को नियंत्रित करने और सही तरीके से निर्देशित करने में सक्षम होते हैं। अपनी भावनाओं और व्यवहार पर नियंत्रण रखने के अलावा इनमें कठिन परिस्थितियों और लोगों को नियंत्रित करने की भी क्षमता होती है।

# नर्स बनते ही बीवी ने पति को बोला गुडबाय !

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जुलाई , एसडीएम ज्योति और आलोक मौर्य का मामला सामने आने के बाद अब देश के कोने-कोने से इस तरह की खबरें सामने आ रही हैं. अब मामला उत्तर प्रदेश के अमेठी से आया है जहां एक पत्नी ने सरकारी नौकरी लगने के बाद अपने पति से रिश्ता खत्म कर दिया. पति ने पुलिस के पास जाकर न्याय की गुहार लगाई है. पति ने पुलिस को बताया है कि उसने भी मेहनत करके अपनी पत्नी को पढ़ाया-लिखाया और जब उसकी नौकरी लगी तो उसने धीरे-धीरे उससे रिश्ता ही तोड़ दिया.मामला अमेठी के गौरीगंज कौहार स्थित सैनिक स्कूल है. यहां पर एक महिला नर्स प्रिया मिश्रा की तैनाती हुई है जिस पर यह गंभीर आरोप लगाए गए हैं. पति मध्यप्रदेश के रीवा जनपद का रहने वाला है. पीड़ित पति का नाम सुशील मिश्रा बताया जा रहा है. पति ने शिकायत में कहा है कि उसकी शादी 20 मई 2013 को हुई थी. इस वक्त के बाद से ही वह अपनी पत्नी को नौकरी के लिए हर संभव मदद करता रहा. कई सालों की मेहनत के बाद पत्नी की सैनिक स्कूल में नौकरी लग गई.

पति ने आरोप लगाया कि इसी दौरा पत्नी के एक अन्य पुरुष मार्कंडेय पांडेय जो कि गोरखपुर के बासी गांव का रहने वाला है, उससे प्रिया के अवैध संबंध हैं. उन्होंने दावा किया है कि अवैध संबंधों के सबूत भी उनके पास हैं. उन्होंने कहा है कि समय आने पर वह उन सबूतों को सामने रखेंगे. पति ने अमेठी के एसपी ऑफिस पहुंचकर इस पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई है. इसके बाद पीड़ित महिला थाने भी पहुंचा.महिला थाने में पति-पत्नी का आमना-सामना भी करवाया गया. लेकिन यहां पर पत्नी ने उससे बहुत पहले ही रिश्ता खत्म करने की बात कही है. वहीं पीड़ित पति ने कहा कि यह सब मामला उसे फरवरी 2021 में पता चला. जब वह पत्नी से मिलने पहुंचा तो उसे कैंपस में आने से मना कर दिया. जिसके बाद पति सुशील मिश्रा ने स्कूल के प्रिंसिपल से भी शिकायत की लेकिन इस पर कोई सुनवाई नहीं की गई थी.

पत्नी प्रिया ने पति सुशील मिश्रा के लगाए हुए सभी आरोपों का खंडन किया है. उन्होंने कहा है कि उनके पति ने जो आरोप लगाए हैं वह पूरी तरह से गलत हैं. उनकी पढ़ाई-लिखाई उनके माता-पिता ने करवाई है और नौकरी भी उन्हीं ने लगवाई है. पति उन्हें बेवजह ही परेशान कर रहे हैं. पति ने कुटुंब न्यायालय में अपील की हुई है जिस पर फिलहाल सुनवाई चल रही है. उन्होंने यह भी बताया कि उनकी एक बेटी भी है जो कि उनके साथ ही रहती है

# गली का देसी आवारा कुत्ता जायेगा इटली, बन गया पासपोर्ट

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 जुलाई , उत्तर प्रदेश के बनारस की गलियों में घूमने वाले एक कुत्ते की किस्मत बदल गई है। देसी कुत्ता अब विदेशी होने जा रहा है। बनारस के एक कुत्ते का पासपोर्ट बना है और वह वीजा लेकर अब इटली जाने वाला है।जी हां, यकीन करना मुश्किल है, लेकिन ये सच है। इस कुत्ते का नाम मोती है। भारत का स्ट्रीट डॉग मोती अब इंडो-इटालियन बनने के लिए पूरी तरह तैयार है।वाराणसी की सड़कों पर रहने वाला यह कुत्ता मोती देसी जरूर है, लेकिन अब यह आम कुत्ता नहीं रह गया है। इटली की एक लेखिका वेरा लाजारेट्टी, जो अपने रिसर्च वर्क के लिए पिछले 10 सालों से भारत के दौरे पर हैं। उन्होंने मोती को अधिकारिक तौर पर गोद ले लिया है। लेखिका वेरा लाजारेट्टी का कहना है कि वो मोती एक लग्जरी लाइफ देना चाहती हैं, इसलिए उन्होंने इसे गोद लिया। लेखिका वेरा लाजारेट्टी ने बताया कि उसने मोती के साथ सड़कों पर क्रूरता होते देखा था।इस स्ट्रीट डॉग को लेने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयारी की गई थी, जिसके लिए पासपोर्ट भी जारी किया गया था। अब मोती को वीजा भी मिल गया है, मोती, लेखिका वेरा लाजारेट्टी के साथ 13 जुलाई को दिल्ली से इटली के लिए उड़ान भरेगा।

# Alert : आपके फोन में भी हैं ये दो खतरनाक ऐप तो तुरंत करें डिलीट, ट्रांसफर हो जाता पर्सनल डाटा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जुलाई : यदि आप एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल करते हैं तो आपको अलर्ट रहने की जरूरत है। गूगल प्ले स्टोर पर दो खतरनाक ऐप मिले हैं, जो आपके डाटा की चोरी कर रहे हैं और चीन भेज रहे हैं। एक साइबर सिक्योरिटी एनालिस्ट फर्म के अनुसार, इन ऐप द्वारा चुराए गए डाटा को चीन के सर्वर पर देखा गया है। कंपनी का कहना है कि इन एप को 10 लाख से ज्यादा लोगों द्वारा डाउनलोड किया गया है। यानी लाखों यूजर्स स्पाइवेयर से लैस इन एप से प्रभावित हो सकते हैं।एक ब्लॉग पोस्ट में मोबाइल साइबर सिक्योरिटी एनालिस्ट कंपनी Pradeo का दावा है कि उसने गूगल को इस सर्च के बारे में सतर्क किया है। चीनी स्पाइवेयर वाले दो एप ₹फाइल रिकवरी और डाटा रिकवरी₹ और ₹फाइल मैनेजर₹ हैं। दोनों को एक ही डेवलपर द्वारा पब्लिश किया गया है, जिसका नाम वांग टॉम है। जैसा कि नाम से पता चलता है, ऐप यूजर्स को डाटा मैनेज करने में मदद करता है और कुछ मामलों में आपके फोन, टैबलेट या किसी भी एंड्रॉयड डिवाइस से हटाई गई फाइलों को रिस्टोर करने में मदद करता है। यदि यूजर्स अभी भी इन एप्स का उपयोग कर रहे हैं तो उन्हें इनको तुरंत हटाने की सलाह दी गई है।

इन ऐप्स ने किसी तरह अपने द्वारा

कलेक्ट किए गए डाटा को घोषित करने के लिए एप्स के लिए गूगल प्ले के नियम को चकमा दिया है। गूगल प्ले स्टोर पर उपरोक्त दोनों एप्लिकेशन के प्रोफाइल घोषणा करते हैं कि वे यूजर्स के डिवाइस से कोई डाटा कलेक्ट नहीं करते हैं, जिसे साइबर सिक्योरिटी फर्म ने गलत जानकारी पाया। इसके अलावा वे घोषणा करते हैं कि यदि डाटा कलेक्ट किया गया था, तो यूजर्स इसे हटाने का अनुरोध नहीं कर सकते, क्योंकि यह जीडीपीआर जैसे डाटा संरक्षण कानूनों के खिलाफ है।रिसर्च फर्म का कहना है कि यह ऐप यूजर्स की कॉन्टैक्ट लिस्ट से जुड़े सभी अकाउंट की कॉन्टैक्ट लिस्ट, यूजर्स की रियल टाइम लोकेशन, मोबाइल कंट्री कोड, नेटवर्क प्रोवाइडर का नाम, कोड,

सिम प्रोवाइडर का नेटवर्क नंबर, डिवाइस ब्रांड और मॉडल जैसी जानकारी चुरा रहे हैं। रिसर्च फर्म का सुझाव है कि यूजर्स को एप्स डाउनलोड करने से पहले रिव्यू देखना चाहिए। एप्स अक्सर कई डाउनलोड के साथ दिखाई देते हैं, लेकिन कोई भी रिव्यू लाल झंडे नहीं उठाती। सिक्योरिटी फर्म का यह भी कहना है कि यूजर्स को ऐप को अनुमति देने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़ना चाहिए।

# केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र शेखावत से मंत्री गणेश जोशी ने की डिमांड

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

नई दिल्ली, 12 जुलाई , उत्तराखंड के मंत्री गणेश जोशी ने टोंस (तमसा) नदी को यमुना की सहायक नदी के तौर पर लेते हुए नमामि गंगे परियोजना के तहत 100 करोड़ की योजनाओं की स्वीकृति प्रदान किए जाने का जलशक्ति मंत्री से अनुरोध किया है। वही 28 अगस्त को मसूरी में आयोजित होने वाले रक्षाबंधन समारोह में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत बतौर मुख्य अथिति शामिल होंगे प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से उनके आवास में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से टोंस (तमसा) नदी को यमुना की सहायक नदी के तौर पर लेते हुए नमामि गंगे परियोजना के तहत लगभग 100 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले एसटीपी एवं घाटों के जीर्णोद्धार योजनाओं की स्वीकृति प्रदान किए जाने का अनुरोध किया।

मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराते हुए हुए कहा कि देहरादून शहर के उत्तरी क्षेत्र, जिसमें गढ़ी कैंट सहित कई अन्य क्षेत्र सम्मिलित है, जिसका समस्त अवशिष्ट जल और मल मूत्र तमसा नदी में जाता है। गढ़ी कैंट क्षेत्र में लगभग 80 करोड़ की लागत से एसटीपी निर्माण और लगभग 20 करोड़ की लागत से टपकेश्वर में घाटों

का सौंदर्यकरण कार्य किया जाना आवश्यक है। मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत से आग्रह करते हुए नमामि गंगे परियोजना के तहत इन योजनाओं की स्वीकृति प्रदान किया जाए। जिसपर पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत ने सकारात्मक भरोसा देते हुए शीघ्र मामले में कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

## संपादकीय

## भ्रष्टाचार का कहर

भारी, मूसलाधार बारिश और बाढ़ के हालात सिर्फ आसमानी कहर नहीं हैं, बल्कि ये व्यापक भ्रष्टाचार के नतीजे हैं। इमें हड़प्पा, मोहनजोदड़ो सभ्यता के बारे में पढ़ाया जाता रहा है। सभ्यता के उस दौर में भी ड्रेनेज सिस्टम बेहतर था। आज हम आधुनिकता, तकनीकी विकास और वैज्ञानिक प्रयोगों के दौर में जी रहे हैं, लेकिन मानसून की बारिश के सामने अक्षम, लाचार, बेबस हैं। आखिर इसका बुनियादी कारण क्या है? राजधानी दिल्ली का ही उदाहरण लें, तो बीती 28 जून तक सभी नालों की सफाई का लक्ष्य हासिल कर लेना चाहिए था, लेकिन 30 जून तक करीब 68 फीसदी काम ही हो पाया था। जब तेज बारिश हुई, तो कलई खुल गई, क्योंकि अधिकतर नाले ब्लॉक पड़े थे। नतीजतन दिल्ली की जो दुर्दशा हुई, उसकी एक बानगी हम कल के संपादकीय में पेश कर चुके हैं। अब इसका भ्रष्ट आयाम भी देखिए। दरअसल दिल्ली में हर साल 1500 करोड़ रुपए बारिश की तैयारियों, ड्रेनेज, सीवर, नालों की सफाई आदि पर खर्च किए जाते हैं। पानी की सहज निकासी के लिए हजारों पंप खरीदे जाते हैं। यदि यह बजट ईमानदारी से खर्च किया जाता है, तो फिर राजधानी दिल्ली जैसा महानगर पानी में डूबने क्यों लगता है? सब कुछ ठहर-सा क्यों जाता है? इसी तरह गुरुग्राम सरीखे साइबर और आधुनिक शहर में, बारिश की तैयारी के मद्देनजर, करीब 150 करोड़ रुपए का प्रावधान है, लेकिन बरसात में इस शहर की दुर्दशा और गंदे दरिया वाली स्थिति क्यों बन जाती है? गुरुग्राम मलबे का तालाब बन जाता है, जिसमें से वाहनों की आवाजाही ऐसी होती है मानो किसी 'चक्रव्यूह' से निकल रहे हों! वाकई शोचनीय और अपमानजनक है। वह पैसा भी कहां जाता है? अजीब विरोधाभास है कि गुरुग्राम में संभ्रान्त सोसायटी के फ्लैट 5-8-10 करोड़ रुपए में बिकते हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के दफ्तर यहां हैं, लेकिन मुख्य सडक़ों पर पानी और मलबा ही दिखाई देते हैं। यह नालायकी और कोताही क्यों है? आखिर कौन, किसकी जिम्मेदारी तय करेगा? विश्व स्तर पर यह निंदनीय और शर्मनाक स्थिति हो सकती है। दरअसल राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के शहरों में अंग्रेजों के जमाने के सिस्टम मौजूद हैं, लिहाजा वे कारगर नहीं हैं और जर्जर हो चुके हैं। दिल्ली में 1976 का ही मॉडल लागू है, जब उसकी आबादी करीब 60 लाख होती थी। वह आज 2.5 करोड़ से अधिक है। फिर दिल्ली 'दरिया' क्यों नहीं बनेगी? समस्या अवैध और अनियमित कॉलोनियों की भी है। इन आवासीय कॉलोनियों में सडक़, नाली, सीवर आदि की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होती, नतीजतन बारिश के मौसम में वहां पानी ठहरता रहता है। इससे शहर के अन्य इलाके भी प्रभावित होते हैं।

**दैनिक न्यूज़ वायरस**

**संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

## आउट सोर्सिंग ऐजेंसियों से होने वाली चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की भर्ती में दिव्यागों को आरक्षण देने की मांग की

विकासनगर। उत्तराखंड दिव्यांग सशक्तिकरण एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष और राज्य दिव्यांग सलाहकार बोर्ड सदस्य अमित डोभाल ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को मंगलवार को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में कि शिक्षा विभाग द्वारा आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से होने वाली चतुर्थ श्रेणी भर्ती में दिव्यांगों को ऐक्ट के तहत चार प्रतिशत आरक्षण देने की मांग उठाई गई। ज्ञापन प्रेषित करते हुए ऐसोसिएशन के अध्यक्ष अमित डोभाल ने कहा कि हाल ही में कैबिनेट द्वारा शिक्षा विभाग में 2364 चतुर्थ श्रेणी पदों को आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से भर्ती करने का निर्णय लिया गया है, लेकिन समाज का दिव्यांग वर्ग उच्च शिक्षित होने के बावजूद भी बेरोजगारी से जूझ रहा है। कहा सरकारी सेवाओं में आज भी दिव्यांगजनों को कई कारणों से पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं, जिसका मुख्य कारण संविदा, आउटसोर्सिंग एजेंसिया, एवं उपनल पीआरडी से रखे जाने वाले कार्मिकों की नियुक्ति में सीधी भर्ती में चार प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था दिव्यांगों को लिए नहीं की गयी है। जिस कारण संविदा, उपनल, आउटसोर्सिंग एजेंसी एवं पीआरडी के माध्यम से की जाने वाली भर्ती से शिक्षित दिव्यांगजन वंचित हो रहे हैं, जबकि दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 की धारा 35 के तहत प्राइवेट सेक्टर में भी दिव्यांगों को पांच प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है। प्रदेश अध्यक्ष अमित डोभाल ने कहा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े आर्थिक और शारीरिक रूप से संघर्षत दिव्यांग वर्ग को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए दिव्यांगजनों को इन आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से की जाने वाली भर्ती मे दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 के तहत चार प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान लागू कराया जाए। जिससे दिव्यांग जन भी आत्म सम्मान के साथ अपना व अपने परिवार का जीवन यापन कर सकें।

## संक्षिप्त खबरें

### स्मार्ट सीटी इलैक्ट्रिक बसों का संचालन देहरादून से विकासनगर तक करने की मांग

विकासनगर। कुर्मांचल महासभा समिति ने मंगलवार को तहसील प्रशासन के माध्यम से शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को एक ज्ञापन प्रेषित किया, जिसमें बताया गया कि वर्तमान समय में जो इलेक्ट्रिक बसों का संचालन हो रहा है उसका संचालन देहरादून से विकासनगर तक होना चाहिए। जिससे आमजन को देहरादून आवागमन में परेशानियों का सामना न करना पड़े। प्रेषित ज्ञापन में बताया गया कि जहां से बस संचालन होता है, वहां पर हर समय चार बसें खड़ी रहती हैं। जहां पर बस्तियों की कमी के चलते कम सवारियां मिलती हैं। बताया जिससे सरकार को राजस्व की हानि भी रही है। बताया इस स्थान से हरबर्टपुर बस स्टैंड की दूरी मात्र पांच किलोमीटर है, जो कि एक अंतर्राज्यीय स्थान है। बताया जो कि हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और यूपी मुख्य केंद्र है। बताया अगर बस का संचालन विकासनगर तक होता है तो इन प्रदेशों से आने वाले लोगों को देहरादून जाने मे परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। कहा कि बसों को पर्याप्त सवारी मिलने से राज्य सरकार व परिवहन निगम को भी आर्थिक लाभ मिलेगा। कहा कि देहरादून से लांघा तिराहा के बजाय विकासनगर तक बसों का संचालन किया जाना राज्य सरकार व जनहित में होगा। ज्ञापन सौंपने वालो मं बीआर आर्या, जीवन भट्ट, कैलाश नेगी, हेम सिंह रावत, नवीन पांडे, नंदा आर्या आदि शामिल रहे।

### शीशमबाड़ा प्लांट की गंदगी ने आसान नदी को किया मैला

विकासनगर। बरसात में शीशमबाड़ा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट की हालत बद से बदतर हो चली है। पछुवादून संयुक्त समिति ने नगर निगम व शीशमबाडा प्लांट का संचालन कर रही कंपनी के तमाम दावों को खोखला बताते हुए कहा कि प्लांट ने जहां पछुवादून की आबोहवा को दूषित कर दिया है। वहीं आसन जैसी पवित्र नदी को भी मैला कर दिया है। नदी में प्लांट से जा रहे लीचड़ ने नदी के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर दिया है। पछुवादून संयुक्त समिति की एक टीम ने सचिव राज गंगसारी के नेतृत्व में मंगलवार को प्लांट पहुंचकर वहां फैल रही गंदगी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद समिति के सचिव राज गंगसारी ने कहा कि प्लांट का सारा लीचड, गंदगी, कैमिकल आसन नदी में फेंका जा रहा है। जिससे आसन नदी का जल दूषित होने के साथ ही जहरीला होता जा रहा है। कहा कि प्लांट से निकल रही दुर्गंध और गंदगी से आम जनता परेशान है। वहीं पवित्र आसन नदी के पानी को पीने लायक नहीं रखा है। कहा कि लीचड और गंदगी सीधे आसन नदी में जा रही है। कहा कि प्लांट की सबसे बड़ी खामी पर एनजीटी भी आपत्ति लगा चुकी है। कहा कि नगर निगम ने तमाम दावे किये थे कि प्लांट से दुर्गंध नहीं निकलेगी। प्लांट की गंदगी को साफ किया जायेगा, लेकिन तमाम दावे खोखले साबित हो रहे हैं। कहा कि प्लांट की खामियों को कोर्ट के समक्ष मजबूती से रखा जायेगा। कहा कि पछुवादून के लोगों की जिंदगी में और जहर नहीं घुलने दिया जायेगा। कहा कि सरकार ने प्लांट शिफ्ट करने के दावे किये। लेकिन वह भी झूठे निकले। अब कोर्ट से ही न्याय की गुहार लगाई जायेगी। कहा कि अब कोर्ट को नगर निगम व प्लांट का संचालन कर रही कंपनी की ओर से गुमराह नहीं होने दिया जायेगा। बल्कि सही पक्ष तथ्यों व आंकडों के साथ कोर्ट के समक्ष पेश किया जायेगा। लिससे जनता को न्याय मिल सके। इस मौके पर प्रकाश भट्ट, प्रेमलाल कोठारी, गणेश सकलानी व राय सिंह मौजूद रहे।

### एसडीएम त्यूणी ने कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास का निरीक्षण किया

विकासनगर। कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास का एसडीएम युक्ता मिश्रा निरिक्षण किया। इस दौरान एसडीएम ने बालिकाओं के साथ संवाद कर सवाल जवाब किये। छात्रावास में 100 के सापेक्ष 94 छात्राएं उपस्थित थीं। एसडीएम त्यूणी युक्ता मिश्रा ने बालिकाओं द्वारा पढ़ाई से सम्बंधित प्रश्न पूछे। एसडीएम मिश्रा ने पॉलिटिकल साइंस, ,इंग्लिश, इकोनॉमिक्स, बायोलॉजी सबंधित सवाल-जवाब भी छात्राओं से किये। कुछ सवालों के जवाब एसडीएम ने खुद छात्राओं को बताये। इस दौरान छात्राओं की ओर से उक्त विषयों मे शिक्षकों की नियुक्ति की मांग की। छात्रावास के शौचालय को सही करवाने, कैमरा, गीजर, स्पोट्स के सामान की आवशयकता एसडीएम को बताई गयी। जिस पर एसडीएम ने अपने स्तर से कार्रवाई करने का भरोशा दिलाया। निरीक्षण के दौरान वार्डन शीला नौटियाल मौजूद रहीं। अनुदेशिका आशा अनुपस्थित थीं। निरीक्षण के बाद बालिकाओं के साथ भोजन की गुणवत्ता जांची गयी। बालिकाओं के अनुरोध पर वार्डन को नाश्ते में हलवा की जगह कुछ और सर्व करने के लिए एसडीएम ने निर्देशित किया।

### बीडीसी विकासनगर की बैठक में छाए बिजली-पानी और शिक्षा विभाग के मुद्दे

विकासनगर। क्षेत्र पंचायत विकासनगर की बैठक में मंगलवार को बिजली-पानी और शिक्षा विभाग के मुद्दे छाये रहे। पंचायत प्रतिनिधियों ने ऊर्जा निगम और शिक्षा विभाग पर जन अपेक्षाओं पर खरा न उतरने का आरोप लगाते हुए कड़ी नाराजगी जताई। बैठक में मौजूद मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र पंचायत के सदन में पारित प्रस्तावों और योजनाओं पर अधिकारी तत्परता से काम करें। कहा कि लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। क्षेत्र पंचायत के प्रमुख सरदार जसविंदर सिंह बिट्टू की मौजूदगी में ब्लॉक सभागार में बैठक आयोजित की गयी। बैठक शुरू होते ही पंचायत प्रतिनिधियों ने बिजली विभाग से सबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाया, जिसमें सदस्यों ने कहा कि बिजली के कनेक्शन के लिए अप्लाई करने के बावजूद लोगों को समय पर कनेक्शन नहीं मिल पाते हैं। खासकर निर्माण कार्यों में कनेक्शन समय पर न मिलने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा बिजली के पोल कई जगह खतरनाक स्थिति में होने पर उन्हें शिफ्टिंग की मांग की जाती रही, लेकिन ऊर्जा निगम पोल शिफ्टिंग में लापरवाही बरतता है, जिससे कई जगह पोल खतरनाक स्थिति में होने के बावजूद पोल शिफ्ट न होने से लोगों के लिए खतरा बना रहता है। हाल के दिनों में लाइन फॉल्ट के नाम पर बिजली कटौती रहने से लोग परेशान हैं। हरबर्टपुर क्षेत्र में तीन दिनों से बिजली को लेकर उपभोक्ता परेशान हैं। शिक्षा विभाग के जर्जर भवनों को लेकर भी पंचायत प्रतिनिधियों ने सवाल उठाये। बताया कि कई प्राइमरी, जूनियर हाईस्कूलों में भवन जर्जर स्थिति में हैं, जिनकी मरम्मत के लिए पिछले तीन वर्षों से जनप्रतिनिधि मांग करते आ रहे हैं। क्षेत्र पंचायत से कई बार प्रस्ताव भी भेजें गये हैं, लेकिन शिक्षा विभाग गिरासू भवनों की मरम्मत और निर्माण के लिए बजट जारी नहीं कर रहा है। ऐसे में गिरासू भवनों में छात्र-छात्राओं के भविष्य और जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है। ऐसे जर्जर हाल भवन में पढ़ाई करना छात्रों के जीवन से खेलना है। किसान फसल बीमा को लेकर भी जनप्रतिनिधियों ने सवाल उठाये। बैठक में संक्रामक रोगों से बचाव और रोकथाम को लेकर भी सवाल उठाये गये। बैठक का संचालन बीडीओ आतिया परवेज ने किया।

# जिलाधिकारी उदय राज सिंह ने फैमिली प्लानिंग पखवाडा का शुभारम्भ किया

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

रुद्रपुर 12 जुलाई , जिलाधिकारी उदय राज सिंह ने जवाहर लाल नेहरू जिला चिकित्सालय में फैमिली प्लानिंग पखवाडा का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होने कहा कि विश्व जनसंख्या स्थरीकरण पखवाड़े के अवसर पर जिला चिकित्सालय में पखवाडा दिवस का आयोजन किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ती जा रही है, इसकी रोकथाम के लिए परिवार नियोजन के तारीखों का प्रयोग करते हुए जनसंख्या को नियन्त्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे समाज व देश के जो संसाधन है वे सभी संसाधन इस पीढी के साथ साथ आने वाली पीढ़ी के भी काम आ सके।

उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण–पोषण, सुख सुविधाओं के लिए प्राकृतिक संपदाओं का तेजी से दोहन हो रहा है, जिससे पर्यावरणीय असंतुलन जैसी समस्या भी दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होनें आशा कार्यकत्रियों से सवांद करते हुए कहा कि आशाएं परिवार नियोजन वाले शिविरों में अधिक से अधिक से लोगों को

लाये, उन्होंने कहा कि आशा कार्यकत्रियां ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित करे जहां विगत कुछ समय में जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, उन स्थानो पर व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करें, ताकि लक्ष्य पूर्ण करने के साथ-साथ राष्ट्रहित में इसका लाभ मिलें।

डा० मनोज कुमार शर्मा,मुख्य चिकित्साधिकारी, ऊधम सिंह नगर द्वारा कहा गया कि हमारा प्रथम दायित्व है कि जनसंख्या नियंत्रण हो एंव 1 बच्चे से दूसरे बच्चे के बीच कम से कम 3 वर्ष का अन्तर अवश्य हो उन्होने कहा कि आश कार्यकत्रियों को जो दायित्व दिये गये है उसका निर्वाहन बखूबी करेंगे इसका विश्वास है। श्री प्रदीप महर, जिला समन्वयक, परिवार नियोजन द्वारा पखवाडे के सम्बन्ध में बताया गया कि गत वर्ष जनपद द्वारा पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया था। जिलाधिकारी ने विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाडा के अन्तर्गत जिला चिकित्सालय में लगे विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा कुछ महत्वपूर्ण निर्देश भी दिये। इस अवसर डा० हरेन्द्र मलिक, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, ड० राकेश सिन्हा, पी०एम०एस०, डा० राजेश आर्य डा० एम०के०तिवारी, डा० अजयवीर सिंह, हिमाशु मुसोनी डी०पी०एम०, डी०एस० भण्डारी, लक्ष्मी पोखया, निधि शर्मा, हेम पन्त, प्रीत पन्त, आदि उपस्थित थें।

# छुटमलपुरः लगातार हो रही बारिश से लोगों को कोई दिक्कत नहीं होने देंगे, चेयरमैन शमा परवीन

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

छुटमलपुर 12 जुलाई : नगर पंचायत छुटमलपुर मे भारी बारिश के चलते कुछ कालोनियों में पानी घुसने की समस्या को देखते हुए बीते दिन नगर चेयरमैन शमा प्रवीन के प्रतिनिधि मोनु मिर्जा एव नगर पंचायत अधिकारी आलोक रंजन ने पानी को निकालने के लिए टीमें लगायी गयी उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि भारी बारिश के चलते पानी का जमाव हो गया था जो पंप के द्वारा निकाल दिया गया है इस दौरान शिव भक्तो के लिए छुटमलपुर एव फतेहपुर के चौराहे पर लाइट की व्यवस्था की गयी है ।ताकि किसी भी शिव भक्त को आने जाने मे परेशानी का सामना ना करना पड़े उन्होंने कहा कि हमारी नगर पंचायत छुटमलपुर मे भारी बारिश के चलते किसी भी व्यकित को परेशान होने की जरूरत नहीं है नगर पंचायत छुटमलपुर आपकी सेवा में हमेशा तत्पर है इस अवसर पर नगर चेयरमैन शमा प्रवीन प्रतिनिधि मोनु मिर्जा नगर पंचायत अधिकारी आलोक रंजन हसीन मिर्जा आदि नगर पंचायत स्टाफ मौजूद रहे

## संक्षिप्त खबरें

### ग्रामीणों की समस्या सुन उनके सुझाव लिए

देहरादून। उत्तराखण्ड शासन के क्रियान्वयन विभाग के विशेष कार्याधिकारी संजीव कुमार शर्मा ने मंगलवार को जनपद देहरादून के रायपुर ब्लॉक के थेवा, मालदेवता, सरखेत एवं धारकोट में क्षेत्रीय भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ संवाद किया। ग्रामीणों की समस्या सुनी और उनके सुझाव भी लिए। सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायतों में उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों से संवाद किया तथा योजनाओं की धरातलीय स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं का जल्द समाधान करवाने का अश्वासन दिया। ग्राम पंचायत सरखेत में कुछ लाभार्थियों द्वारा होम स्टे निर्माण किया गया है जिसके उपरान्त एम0डी0डी0ए0 द्वारा उनको नोटिस भी निर्गत किये गये हैं। ग्रामीणों द्वारा उक्त के सम्बन्ध में समाधान हेतु मांग की गई तथा विशेष कार्याधिकारी द्वारा शासन स्तर प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने हेतु सुझाव दिया गया तथा ब्लॉक स्तर से भी इस विषय पर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। संवाद कार्यक्रम में ग्राम पंचायत से संबधित कृषि विभाग, राजस्व, ग्राम्य विकास, उद्यान, कृषि, समाज कल्याण, पूर्ति विभाग, जल जीवन मिशन, बाल विकास विद्युत, लोनिवि, सिंचाई आदि विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग से संबधित कार्यों एवं प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों की दी। विशेष कार्याधिकारी संजीव कुमार शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की ओर से संचालित सभी योजनाओं की विभिन्न माध्यम से प्रचार प्रसार करें। जिसका लाभ आमजन को मिल सके। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें। उन्होंने विकास खण्ड में स्थित पूर्व में आई आपदा प्रभावित क्षेत्रों का भी जायजा लिया गया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी रायपुर अर्पणा बहुगुणा, सभी ग्राम पंचायतों के प्रधान गण, सहायक खण्ड विकास अधिकारी रायपुर मोहन लाल रतूड़ी, पूर्ति निरीक्षक, आदि मोजूद रहे।

### आउटसोर्स भर्ती में दिव्यांगों को चार प्रतिशत आरक्षण की मांग

देहरादून। शिक्षा विभाग में आउटसोर्स से होनी वाली चतुर्थ श्रेणी की भर्ती में भी दिव्यांगों को चार प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान हो। इसे लेकर उत्तराखंड दिव्यांग सशक्तिकरण ऐसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष व राज्य दिव्यांग सलाहकार बोर्ड सदस्य अमित डोभाल ने मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री को पत्र भेजा है। अमित डोभाल ने कहा हाल ही मे कैबिनेट में शिक्षा विभाग के 2364 चतुर्थ श्रेणी पदों को आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से भरने का निर्णय लिया गया है। लेकिन इसमें दिव्यांग आरक्षण का पालन नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि शिक्षित होने के बावजूद दिव्यांग बेरोजगारी से जूझ रहा है। सरकारी सेवाओं में आज भी दिव्यांगजनों को कई कारणों से पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। जिसका मुख्य कारण संविदा, आउटसोर्सिंग एजेंसिया, उपनल और पीआरडी, से रखे जाने वाले कार्मिकों की नियुक्ति में सीधी भर्ती के समान चार प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था का नहीं होना है। जबकि दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 की धारा 35 के तहत प्राइवेट सेक्टर में भी दिव्यांगों को पांच प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है।